D. El. ED - 2nd year — स्वयं की समझ — S-4

M. K. Baig

Date: ______ Page: ______

अस्मिता के पहलू

किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के गुण विश्वास, भाव रूप, आकृति, एवं अभिव्यक्ति से मिलकर उसकी अस्मिता का निर्माण होता है। अस्मिता में अस्तित्व बोध की प्रधानता होती है, अर्थात व्यक्ति समाज में अपनी विशेष अस्मिता को बनाए रखना चाहते हैं। व्यक्ति का प्रत्येक परिवेश के साथ अलगाव उस व्यक्ति में अस्मिता का प्रश्न उठाता है। अतः व्यक्ति समाज में रहते हुए अपनी इच्छा के अनुसार सुरक्षित एवं सम्मानित जीवन जीना चाहता है। प्रसिद्ध चिंतक अमर्त्य सेन के अनुसार, अस्मिता को प्राप्त करने की प्रबल आकांक्षा हिंसा को जन्म देती है। अपनी अस्मिता पर आए खतरे के समक्ष अन्य भावनाएं जैसे सहानुभूति सहनशीलता सद्भावना इत्यादि क्षीण हो जाती है। अभिप्राय यह है कि जब अस्मिता पर खतरा पैदा होता है तो व्यक्ति में हिंसात्मक प्रवृत्ति उत्पन्न होती है।

अस्मिता की आवश्यकता एवं महत्व

(1) अस्मिता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह व्यक्ति के अपने जीवन लक्ष्य के अनुरूप पहचान बनाने

के लिए प्रेरित करती है।

(2) किसी व्यक्ति की आत्मा उसके विशिष्ट विचारों तथा मूल्यों को व्यक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

(3) आत्मा एक सामाजिक एवं ऐतिहासिक अवधारणा है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन से जुड़े लोगों की पहचान करता है तथा स्वयं की पहचान बनाता भी है।

(4) आत्मता व्यक्ति को एक पहचान प्रदान करती है, जिसके माध्यम से हम किसी व्यक्ति की प्रकृति को समझ पाते हैं।

(5) आत्मता विभिन्न आयु, सामाजिक वर्ग, लिंग, जाति, वर्ग में विभाजित सामाजिक समूह के बीच व्यक्ति की पहचान निर्मित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

(6) किसी व्यक्ति की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की पहचान करने में भी आत्मता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Scanned with CamScanner

Date: ______ Page: ______

अस्मिता का निर्माण

① व्यक्ति आयाम

व्यक्ति के व्यक्तित्व के विभिन्न आयाम जैसे उसके मूल्य, आदर्श, विश्वास, पसंद और नापसंद इत्यादि जो उसको जीवन भर प्रभावित करते हैं। अमुक व्यक्ति की अस्मिता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

② स्व अभिव्यक्ति

अस्मिता बहुत हद तक इस बात पर depend करती है कि व्यक्ति समाज में किस प्रकार खुद को प्रस्तुत करता है। व्यक्ति द्वारा खुद को जिस प्रकार से समाज में प्रस्तुत किया जाता है. उसी प्रकार - उसके सामाजिक पहचान अथवा अस्मिता का निर्माण होता है।

③ जन्म पहचान समूह

व्यक्ति की अस्मिता के निर्माण में उस व्यक्ति के जन्म जाति, राष्ट्रीय मूल, जातीयता, शारीरिक क्षमता, सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि, पारिवारिक पृष्ठभूमि के साथ इसकी बोली -

Date: ______ Page: ______

तथा भाषा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

(4) समूह चयन

हमेशा आदमी अपने शैक्षिक सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के समूह को ही चयन करता है, अतः व्यक्ति द्वारा किया जाने वाला समूह चयन भी व्यक्ति के अस्मिता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(5) कार्यशैली

व्यक्ति द्वारा अपने सामाजिक एवं व्यावसायिक जीवन अपनाई गई ~~कार्यशैली~~ कार्यशैली उसके अस्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Scanned with CamScanner